चम्पारण ज्ञानाग्रह

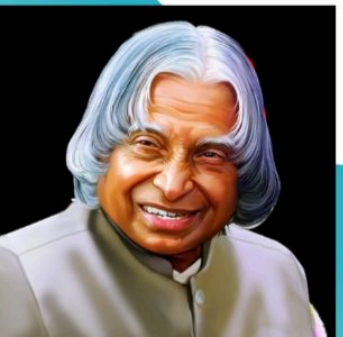
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 18 नवंबर 2026, अंक –396.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"मनुष्य अपने विचारों से निर्मित प्राणी है।" — महात्मा गांधी



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार



अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.....।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.....।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सकें।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है.....।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. जॉर्जिया देश की राजधानी क्या है?
उत्तर: त्बिलिसी
प्रश्न 2. भारत की पहली महिला पर्वतारोही कौन थीं, जिन्होंने माउंट एवरेस्ट पर सफलतापूर्वक चढ़ाई की?
उत्तर: बछेंद्री पाल
प्रश्न 3. 'बिदेसिया' किस राज्य की प्रसिद्ध लोकनाट्य शैली है?
उत्तर: बिहार
प्रश्न 4. 1 से 50 तक की सभी प्राकृतिक संख्याओं का योग कितना होगा?
उत्तर: 1275
प्रश्न 5. बिहार के भागलपुर में स्थित प्राचीन चम्पानगर किस जैन तीर्थंकर की जन्मस्थली है?
उत्तर: वासुपूज्य
प्रश्न 6. कौन-सा समुद्री स्तनधारी अपने सिर के ऊपर बने छिद्र से साँस लेता है?
उत्तर: व्हेल
प्रश्न 7. चलचित्रों में ध्वनि रिकॉर्ड करने और पुनः सुनाने की तकनीक के विकास में किस आविष्कारक का महत्वपूर्ण योगदान था?
उत्तर: ली डी फॉरेस्ट
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में भारत के महान्यायवादी (Attorney General) के पद का प्रावधान है?
उत्तर: अनुच्छेद 76
प्रश्न 9. 'जिसका कोई आकार न हो' — उसके लिए एक शब्द क्या है?
उत्तर: निराकार
प्रश्न 10. भोजन में आयोडीन की कमी से मुख्यतः कौन-सा रोग हो सकता है?
उत्तर: घेंघा

संकलन:-



पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Pollination - पॉलिनेशन - परागण
2. Germination - जर्मिनेशन - अंकुरण
3. Photosynthesis - फोटोसिंथेसिस - प्रकाश-संश्लेषण
4. Respiration - रेस्पिरेशन - श्वसन
5. Transpiration - ट्रांसपिरेशन - वाष्पोत्सर्जन
6. Fertilization - फर्टिलाइज़ेशन - निषेचन
7. Decomposition - डीकम्पोज़िशन - अपघटन



संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "When are we going to + V1?"
(हम कब ... करने वाले हैं?)
हम अपनी यात्रा कब शुरू करने वाले हैं? – When are we going to start our journey?
हम नया अध्याय कब पढ़ने वाले हैं? – When are we going to study the new chapter?
हम इस पौधे को कब लगाने वाले हैं? – When are we going to plant this sapling?
हम अपने मित्रों से कब मिलने वाले हैं? – When are we going to meet our friends?
हम प्रतियोगिता का परिणाम कब जानने वाले हैं? – When are we going to know the result of the competition?



संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 18 नवंबर को भारत में आयुष मंत्रालय द्वारा प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियों, आहार नियंत्रण और रोग-मुक्त जीवनशैली के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु कौन-सा राष्ट्रीय दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस (National Naturopathy Day)
व्याख्या: 18 नवंबर को भारत में प्रतिवर्ष 'राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस' मनाया जाता है। आयुष मंत्रालय (भारत सरकार) ने वर्ष 2018 में इस दिवस को प्रतिवर्ष आयोजित करने की घोषणा की थी। 18 नवंबर 1945 को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने 'ऑल इंडिया नेचर क्योर फाउंडेशन ट्रस्ट' की आजीवन सदस्यता ग्रहण की थी और प्राकृतिक चिकित्सा द्वारा ग्राम-कल्याण का संकल्प लिया था। प्राकृतिक चिकित्सा 'पंचमहाभूत' (आकाश, वायु, अग्नि, जल और पृथ्वी) के संतुलन पर आधारित एक औषधि-रहित उपचार प्रणाली है, जो शरीर की स्वाभाविक रोग-प्रतिरोधक क्षमता (Vital Force) को जागृत कर दीर्घकालिक रोगों के प्रबंधन पर बल देती है।
संदर्भ: Ministry of Ayush, Government of India Notification;

प्र.2. हाल ही में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (NASA) के संयुक्त उपक्रम के तहत पृथ्वी की संपूर्ण भूमि, बर्फ की परतों और पारिस्थितिक बदलावों की उच्च-सटीकता से निगरानी हेतु किस दोहरी-आवृत्ति (Dual-frequency) रडार उपग्रह मिशन को अंतिम परीक्षण चरण में रखा गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: निसार मिशन (NISAR / NASA-ISRO Synthetic Aperture Radar)
व्याख्या: 'निसार' (NISAR) नासा और इसरो का एक ऐतिहासिक संयुक्त पृथ्वी-अवलोकन उपग्रह मिशन है। यह अंतरिक्ष में एल-बैंड (L-band, नासा द्वारा निर्मित) और एस-बैंड (S-band, इसरो द्वारा निर्मित) सिंथेटिक अपर्चर रडार (SAR) दोनों को एक साथ ले जाने वाला विश्व का पहला उपग्रह है। यह उपग्रह दिन-रात और घने बादलों के पार भी पृथ्वी की सतह में मात्र एक सेंटीमीटर से कम के सूक्ष्म विस्थापन, भूकंपीय दरारों की सक्रियता, भूस्खलन, वनों के बायोमास क्षरण और ग्लेशियरों के पिघलने की दर की 12 दिनों के नियमित चक्र में मैपिंग करने में सक्षम है। यह वैश्विक जलवायु परिवर्तन और आपदा पूर्व-चेतावनी प्रणाली में एक युगांतरकारी कदम है।
संदर्भ: ISRO Official NISAR Mission Portal;

प्र.3. राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध दार्शनिक गीति-नाट्य (काव्य) है, जिसमें पुरुरवा और अप्सरा के माध्यम से पार्थिव काम और सनातन प्रेम के द्वंद्व का निरूपण किया गया है तथा जिस पर उन्हें 1972 में 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' मिला था? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: उर्वशी (1961)
व्याख्या: 'उर्वशी' (1961) राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' द्वारा रचित आधुनिक हिंदी साहित्य का एक अत्यंत विलक्षण और कालजयी दार्शनिक काव्य-नाटक है। इसमें ऋग्वेद और महाभारत की पौराणिक कथा को आधार बनाकर राजा पुरुरवा (मर्त्य मानव) और देवलोक की अप्सरा उर्वशी (सनातन सौंदर्य व वासना की प्रतीक) के प्रेम का गहरा मनोवैज्ञानिक और दार्शनिक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। दिनकर जी ने इसमें यह गंभीर प्रश्न उठाया है कि क्या इंद्रियजन्य प्रेम (काम) और आध्यात्मिक साधना (अध्यात्म) परस्पर विरोधी हैं, या प्रेम ही चेतना के उच्चतम रूपांतरण का माध्यम बनता है। 1972 में इस अमर कृति को देश के सर्वोच्च साहित्यिक सम्मान 'भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार' से अलंकृत किया गया था।
संदर्भ: रामधारी सिंह 'दिनकर' — 'उर्वशी', राजकमल प्रकाशन; NCERT Hindi Class 12 (अंतरा भाग-2 साहित्य

प्र.4. समताप मंडल (Stratosphere) में उपस्थित ओजोन परत के संरक्षण हेतु 1987 में हस्ताक्षरित वह कौन-सा ऐतिहासिक अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण समझौता है, जिसके तहत क्लोरोफ्लोरोकार्बन (CFCs) गैसों के उत्पादन पर वैश्विक प्रतिबंध लगाया गया था? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल (Montreal Protocol 1987)
व्याख्या: 'मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल' 16 सितंबर 1987 को कनाडा के मॉन्ट्रियल शहर में हस्ताक्षरित ओजोन-क्षयकारी पदार्थों (ODS) पर एक ऐतिहासिक बहुपक्षीय पर्यावरण समझौता है (जो 1 जनवरी 1989 से लागू हुआ)। रेफ्रिजरेटरों और एसी में प्रयुक्त होने वाली सीएफसी और हैलोन गैसें समताप मंडल में जाकर पराबैंगनी किरणों से टूटकर मुक्त क्लोरीन परमाणु छोड़ती हैं, जिसका एक ही परमाणु एक लाख ओजोन अणुओं को नष्ट कर देता है। मॉन्ट्रियल प्रोटोकॉल के प्रभावी क्रियान्वयन से ओजोन छिद्र में निरंतर सुधार हो रहा है। इसके उपरांत 2016 में इसमें 'किगाली संशोधन' जोड़ा गया, जिसका उद्देश्य ग्लोबल वॉर्मिंग बढ़ाने वाली हाइड्रोफ्लोरोकार्बन (HFCs) गैसों को चरणबद्ध रूप से समाप्त करना है।
संदर्भ: United Nations Environment Programme (UNEP) Ozone Secretariat; NCERT Chemistry Class 11, Ch 14 "पर्यावरणीय रसायन", p. 408–411;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान उत्तर प्रदेश के रुहेलखंड (बरेली) क्षेत्र में 40,000 विद्रोही सैनिकों को संगठित कर ब्रिटिश हुकूमत को समाप्त करने और नवाब-नाजिम बनकर समानांतर सरकार चलाने वाले महान क्रांतिकारी कौन थे? (इतिहास)
उत्तर: खान बहादुर खान (रुहेलखंड)
व्याख्या: खान बहादुर खान रुहेला नवाब हाफिज रहमत खान के पौत्र और 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम के प्रमुख सेनानी थे। मई 1857 में जब बरेली छावनी के भारतीय सैनिकों ने विद्रोह किया, तो खान बहादुर खान ने उनका नेतृत्व संभाला और मुगल सम्राट बहादुर शाह ज़फ़र के प्रति निष्ठा व्यक्त करते हुए रुहेलखंड के सूबेदार के रूप में स्वतंत्र सरकार स्थापित की। उन्होंने हिंदू-मुस्लिम एकता बनाए रखने हेतु गो-वध पर प्रतिबंध लगाया और एक सक्षम प्रशासन व तोपखाना तैयार किया। उन्होंने 11 महीने तक बरेली पर पूर्ण नियंत्रण रखा और ब्रिटिश कमांडर सर कॉलिन कैंपबेल की सेना से कई भीषण लड़ाइयां लड़ीं। नेपाल सीमा पर विश्वासघात से पकड़े जाने के बाद 24 मार्च 1860 को बरेली कोतवाली के सामने उन्हें फांसी दे दी गई।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55–58;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में विंध्य-दक्कन के पठार से बहने वाली इंद्रावती नदी पर स्थित 95 फीट ऊंचा वह कौन-सा प्रसिद्ध घोड़े की नाल के आकार का जलप्रपात है, जिसे 'भारत का नियाग्रा' (Niagara of India) कहा जाता है? (भूगोल)

उत्तर: चित्रकूट जलप्रपात (Chitrakote Falls)

व्याख्या: चित्रकूट जलप्रपात छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर जिले में जगदलपुर के निकट इंद्रावती नदी पर स्थित एक अत्यंत भव्य और विस्तृत प्राकृतिक जलप्रपात है। इसकी ऊंचाई लगभग 29 मीटर (95 फीट) है, परंतु इसकी वास्तविक विशेषता इसका विशाल फैलाव (चौड़ाई) है, जो मानसून के मौसम में लगभग 300 मीटर (980 फीट) तक पहुँच जाता है। घोड़े की नाल (Horseshoe) के आकार में मुड़े होने और विशाल जल-राशि के गर्जना के साथ गिरने के कारण इसे विश्वप्रसिद्ध नियाग्रा जलप्रपात के सादृश्य 'भारत का नियाग्रा जलप्रपात' की संज्ञा दी जाती है। यह क्षेत्र साल वनों और समृद्ध जनजातीय संस्कृति से घिरा हुआ एक प्रमुख भू-पर्यटन स्थल है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 3 "अपवाह", p. 22–24; NCERT Class

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद केंद्र और राज्यों के बीच करों के शुद्ध आगमों के वितरण तथा राज्यों को सहायता अनुदान की सिफारिश करने हेतु राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक 5 वर्ष में 'वित्त आयोग' (Finance Commission) के गठन का आदेश देता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 280 (Article 280)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-XII में वित्तीय संबंधों के अंतर्गत 'अनुच्छेद 280' एक स्वतंत्र अर्ध-न्यायिक संवैधानिक निकाय के रूप में 'वित्त आयोग' (Finance Commission) की स्थापना का प्रावधान करता है। राष्ट्रपति प्रत्येक पांच वर्ष की समाप्ति पर (या आवश्यकतानुसार उससे पहले) एक अध्यक्ष और चार अन्य सदस्यों वाले वित्त आयोग का गठन करते हैं। वित्त आयोग का मुख्य कार्य यह सिफारिश करना है कि: (क) केंद्र और राज्यों के बीच करों की शुद्ध प्राप्तियों का विभाजन (Vertical Devolution) किस प्रकार हो; (ख) राज्यों के परस्पर मध्य इसका आवंटन (Horizontal Devolution) कैसे हो; और (ग) भारत की संचित निधि में से राज्यों को दिए जाने वाले सहायता अनुदान के सिद्धांत क्या हों।

संदर्भ: Constitution of India, Part XII, Article 280; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान: सिद्धांत और व्यवहार), Ch 7 "संघवाद", p. 160–164;

प्र.8. ऑप्टिकल फाइबर (प्रकाशिक तंतु), हीरे की अत्यधिक चमक और ग्रीष्म ऋतु में रेगिस्तान में दिखने वाली 'मृगमरीचिका' (Mirage) प्रकाश की किस विशिष्ट परिघटना पर आधारित होती है? (विज्ञान)

उत्तर: पूर्ण आंतरिक परावर्तन (Total Internal Reflection / TIR)

व्याख्या: पूर्ण आंतरिक परावर्तन (TIR) प्रकाशिकी की एक अत्यंत महत्वपूर्ण परिघटना है। जब प्रकाश किरण किसी सघन माध्यम (जैसे कांच या जल) से विरल माध्यम (जैसे वायु) की ओर गमन करती है और आपतन कोण का मान दोनों माध्यमों के 'क्रांतिक कोण' (Critical Angle / $i > c$) से अधिक हो जाता है, तो प्रकाश किरण विरल माध्यम में अपवर्तित होने के बजाय संपूर्ण रूप से उसी सघन माध्यम में वापस परावर्तित हो जाती है। आधुनिक दूरसंचार में प्रयुक्त 'ऑप्टिकल फाइबर केबल' (OFC) इसी सिद्धांत पर कार्य करती है, जिसमें प्रकाश सिग्नल बिना किसी ऊर्जा क्षय के कोर और क्लैडिंग के बीच बार-बार पूर्ण आंतरिक परावर्तित होकर तीव्र गति (प्रकाश के वेग) से हजारों किलोमीटर दूर तक यात्रा करते हैं।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 10 "प्रकाश - परावर्तन तथा अपवर्तन", p. 188–191;

प्र.9. 8वीं शताब्दी में राष्ट्रकूट राजवंश के सम्राट कृष्ण प्रथम द्वारा महाराष्ट्र के औरंगाबाद (छत्रपति संभाजीनगर) में एक ही विशाल बेसाल्ट चट्टान को ऊपर से नीचे की ओर तराशकर बनाया गया भव्य एकाश्म मंदिर कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: एलोरा का कैलाश मंदिर (गुफा संख्या 16)

व्याख्या: एलोरा की गुफा संख्या 16 में स्थित 'कैलाश मंदिर' विश्व में पाषाण स्थापत्य कला का सबसे आश्चर्यजनक और विशालतम एकाश्म (Monolithic) स्मारक है। इसका निर्माण 8वीं शताब्दी (लगभग 756–774 ईस्वी) में राष्ट्रकूट सम्राट कृष्ण प्रथम के शासनकाल में हुआ था। इस मंदिर को किसी पाषाण खंडों को जोड़कर नहीं बनाया गया, बल्कि चरणदुर्ग पहाड़ियों की एक ही ठोस ज्वालामुखी बेसाल्ट चट्टान को ऊपर से नीचे (Top-down approach) की ओर तराशकर लगभग 2,00,000 टन पत्थर हटाकर गढ़ा गया है। इसमें भगवान शिव का कैलाश पर्वत, विशाल नंदी मंडप, हाथी, तथा रावण द्वारा कैलाश पर्वत को हिलाने (रावणानुग्रह मूर्ति) का सजीव अंकन है। 1983 में एलोरा गुफाओं को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 78–82;

प्र.10. दिसंबर 1912 में बिहार की धरती पर भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का प्रथम अधिवेशन पटना के बांकीपुर में आयोजित हुआ था; इस 27वें ऐतिहासिक अधिवेशन के निर्वाचित अध्यक्ष कौन थे? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: राव बहादुर रघुनाथ नरसिंह माधोलकर (आर. एन. माधोलकर)

व्याख्या: 1912 में बंगाल से अलग होकर बिहार-ओडिशा नए प्रांत के रूप में अस्तित्व में आया था। इसी ऐतिहासिक वर्ष में 26 से 28 दिसंबर 1912 को पटना के 'बांकीपुर' में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का 27वां वार्षिक अधिवेशन संपन्न हुआ। यह बिहार में आयोजित होने वाला कांग्रेस का पहला अधिवेशन था। इस अधिवेशन की अध्यक्षता अमरावती के प्रसिद्ध विधिवेत्ता और राष्ट्रवादी नेता 'राव बहादुर आर. एन. माधोलकर' ने की थी। इस अधिवेशन की स्वागत समिति के अध्यक्ष मौलाना मजहरुल हक, महासचिव सच्चिदानंद सिन्हा तथा संयुक्त सचिव कुंवर नंदन सहाय थे। इसी अधिवेशन में पंडित जवाहरलाल नेहरू ने भी एक युवा प्रतिनिधि के रूप में पहली बार कांग्रेस अधिवेशन में भाग लिया था।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Module; Dr. K. K. Datta — 'History of Freedom Movement in Bihar';

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: नवंबर W3 — भूकंप से सुरक्षा एवं बचाव संबंधी जानकारी तथा मॉक ड्रिल) के अनुसार भूकंप का अचानक तीव्र झटका महसूस होते ही कक्षा के भीतर विद्यार्थियों को स्वयं की सुरक्षा हेतु 'ड्रॉप, कवर, होल्ड ऑन' (झुको, ढको और पकड़ो) तकनीक के तहत क्या 3 तात्कालिक कदम उठाने चाहिए और किन स्थानों से दूर रहना चाहिए? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: जमीन पर घुटनों के बल झुकना (Drop), मेज/डेस्क के नीचे सिर ढंकना (Cover), मजबूती से पैर पकड़ना (Hold On); खिड़कियों व पंखों से दूर रहना

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (नवंबर W3: भूकंप से सुरक्षा एवं बचाव संबंधी जानकारी तथा अभ्यास) के अनुसार:

बिहार राज्य अत्यधिक भूकंप संवेदी क्षेत्र में आता है (उत्तरी बिहार के जिले ज़ोन-V तथा शेष ज़ोन-IV में स्थित हैं)। भूकंप आने पर घबराकर सीढ़ियों की ओर भागने या बालकनी से कूदने के बजाय कक्षा के भीतर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमाणित 'ड्रॉप, कवर, होल्ड ऑन' (Drop, Cover, Hold On) नियम का तुरंत पालन करना चाहिए:

1. Drop (झुको): झटके महसूस होते ही खड़े रहने के बजाय तुरंत अपने घुटनों और हाथों के बल जमीन पर बैठ जाएं ताकि संतुलन बिगड़ने पर आप गिरकर चोटिल न हों।
2. Cover (ढको): अपनी कक्षा के मजबूत लकड़ी या लोहे के डेस्क/मेज के नीचे घुस जाएं और अपने एक हाथ से सिर व गर्दन के पिछले हिस्से को पूरी तरह सुरक्षित ढक लें।
3. Hold On (पकड़ो): डेस्क के पैर को दूसरे हाथ से मजबूती से तब तक पकड़े रहें जब तक कि झटके पूरी तरह शांत न हो जाएं, क्योंकि कंपन के कारण मेज खिसक सकती है।

- सावधानी: कक्षा की कांच की खिड़कियों, भारी बुक-शेल्फ, सीलिंग फैन और लटकती चीजों से हमेशा दूर रहें।

- प्र.12. 'A' किसी कार्य को अकेले 12 दिनों में पूरा कर सकता है तथा 'B' उसी कार्य को अकेले 18 दिनों में पूरा कर सकता है। यदि दोनों मिलकर एक साथ कार्य करना प्रारंभ करें, तो वह संपूर्ण कार्य कुल कितने दिनों में समाप्त हो जाएगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)
- उत्तर: 7 सही 1/5 दिन (7.2 दिन)
- व्याख्या: यह 'कार्य और समय' (Time and Work) की मूलभूत क्षमता और व्युत्क्रमानुपात पर आधारित एक मानक अंकगणितीय प्रश्न है। 'A' का 1 दिन का कार्य = 1 / 12 भाग। 'B' का 1 दिन का कार्य = 1 / 18 भाग। दोनों (A + B) का मिलकर 1 दिन का कुल कार्य: = 1/12 + 1/18 हरों (12 और 18) का ल.स. (LCM) = 36 = (3 + 2) / 36 = 5 / 36 भाग। संपूर्ण कार्य समाप्त करने में लगा कुल समय = 1 / (\text{1 दिन का कार्य}) \text{कुल समय} = 36 / 5\text{ दिन}। मिश्र भिन्न में बदलने पर: 36 / 5 = 7\text{ सही } 1/5\text{ दिन} = 7.2\text{ दिन}। (वैकल्पिक संक्षिप्त सूत्र: कुल दिन = (A \times B) / (A + B) = (12 \times 18) / (12 + 18) = 216 / 30 = 7.2\text{ दिन})। अत: दोनों मिलकर उस कार्य को ठीक 7\frac{1}{5} (7.2) दिनों में पूरा कर लेंगे। संदर्भ: NCERT Mathematics Class 8, Ch 13 "प्रत्यक्ष और प्रतिलोम समानुपात", p. 204–209;

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Abeyance (अबेअन्स) = Suspension (सस्पेन्शन) = अस्थायी स्थगन / निलंबन
Antonym – Continuation (कन्टिन्यूएशन) = निरंतरता / जारी रहना
Bellicose (बेलिकोस) = Aggressive (अग्रेसिव) = झगड़ालू / युद्धप्रिय / आक्रामक
Antonym – Peaceful (पीसफुल) = शांतिप्रिय / सौम्य
Deference (डेफरन्स) = Respect (रिस्पेक्ट) = आदर / सम्मान / मान्यता
Antonym – Disrespect (डिसरिस्पेक्ट) = अनादर / अपमान
Enervate (एनरवेट) = Weaken (वीकन) = कमजोर करना / शक्ति या ऊर्जा घटाना
Antonym – Invigorate (इन्विगरेट) = ऊर्जावान बनाना / शक्ति प्रदान करना
Insipid (इन्सिपिड) = Tasteless (टेस्टलेस) = नीरस / स्वादहीन / फीका
Antonym – Flavourful (फ्लेवरफुल) = स्वादिष्ट / मज़ेदार



~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

PM Modi meets Singapore PM Lawrence Wong at ASEAN Summit in Manila; discusses economic cooperation, skills, digitalisation, sustainability, connectivity, healthcare, defence and security
हिन्दी अनुवाद: प्रधानमंत्री मोदी ने मनीला में ASEAN शिखर सम्मेलन के दौरान सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की; आर्थिक सहयोग, कौशल, डिजिटलीकरण, सततता, संपर्क, स्वास्थ्य, रक्षा और सुरक्षा पर चर्चा की।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनीला में 23वें भारत-ASEAN शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रोडमैप की प्रगति की समीक्षा की और आठ प्राथमिकता क्षेत्रों पर चर्चा की।

INS Sahyadri participates in bilateral naval exercise JAIMEX 2026 with Japan Maritime Self-Defence Force
हिन्दी अनुवाद: INS सह्याद्री ने जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स के साथ द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास JAIMEX 2026 में भाग लिया।
भारतीय नौसेना का जहाज INS सह्याद्री ने जापान मैरीटाइम सेल्फ-डिफेंस फोर्स के साथ द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास JAIMEX 2026 में भाग लिया।

MoSJE and Ministry of Defence sign MoU to strengthen welfare of senior citizens in Cantonment areas; new Day Care Centres to be established
हिन्दी अनुवाद: MoSJE और रक्षा मंत्रालय ने कैंटनमेंट क्षेत्रों में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण को मजबूत करने के लिए MoU पर हस्ताक्षर किए; नए डे केयर केंद्र स्थापित किए जाएंगे।
सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के विभाग ने रक्षा मंत्रालय के निदेशालय जनरल डिफेंस एस्टेट्स (DGDE) के साथ MoU पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत कैंटनमेंट क्षेत्रों में वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और भलाई को मजबूत किया जाएगा। नए डे केयर केंद्र स्थापित किए जाएंगे और मौजूदा केंद्रों तथा वरिष्ठ नागरिक आवासों को समर्थन और विस्तार दिया जाएगा।

INTERNATIONAL NEWS

Tanker attacked in Strait of Hormuz; Bahrain reports new attack; IRGC says it targeted US radar; 3rd US aircraft carrier arrives in Middle East
हिन्दी अनुवाद: होर्मुज़ जलडमरूमध्य में टैंकर पर हमला; बहरीन ने नए हमले की रिपोर्ट दी; IRGC ने अमेरिकी रडार को निशाना बनाने का दावा किया; तीसरा अमेरिकी विमानवाहक पोत मध्य पूर्व पहुँचा।
होर्मुज़ जलडमरूमध्य में एक टैंकर पर हमला हुआ। बहरीन ने नए हमले की रिपोर्ट दी और IRGC ने अमेरिकी रडार को निशाना बनाने का दावा किया। तीसरा अमेरिकी विमानवाहक पोत मध्य पूर्व पहुँच गया है।

Saudi-backed forces bolster defenses near Aden amid Houthi threat; Houthis advance toward Aden; US-Iran deadlock continues
हिन्दी अनुवाद: हूती खतरे के बीच सऊदी-समर्थित बलों ने अदन के पास रक्षा मजबूत की; हूती अदन की ओर बढ़ रहे हैं; अमेरिका-ईरान गतिरोध जारी।
सऊदी-समर्थित बलों ने अदन के पास अधिक सैनिक तैनात किए हैं ताकि हूती विद्रोहियों की संभावित प्रगति का मुकाबला किया जा सके। हूती अदन की ओर बढ़ रहे हैं और अमेरिका-ईरान गतिरोध जारी है।

Iran and its allies ramp up pressure on US and allied Gulf states on two fronts; Saudi-backed forces retreat in Yemen; Iran fires drones at US bases in Bahrain
हिन्दी अनुवाद: ईरान और उसके सहयोगियों ने दो मोर्चों पर अमेरिका और सहयोगी खाड़ी देशों पर दबाव बढ़ाया; सऊदी-समर्थित बल यमन में पीछे हटे; ईरान ने बहरीन में अमेरिकी अड्डों पर ड्रोन दागे।
ईरान और उसके सहयोगियों ने दो मोर्चों पर अमेरिका और सहयोगी खाड़ी देशों पर दबाव बढ़ाया। सऊदी-समर्थित बल यमन में पीछे हटे और ईरान ने बहरीन में अमेरिकी अड्डों पर ड्रोन दागे।

BIHAR NEWS

Bihar floods worsen; nearly 1 million people hit; breach in embankments in two districts; Gandak river breaches embankment in Saran and Gopalganj districts
हिन्दी अनुवाद: बिहार में बाढ़ बिगड़ी; लगभग 10 लाख लोग प्रभावित; दो जिलों में तटबंधों में दरार; सारण और गोपालगंज जिलों में गंडक नदी ने तटबंध तोड़ा।
बिहार में बाढ़ की स्थिति बिगड़ी है और लगभग 10 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। दो जिलों में तटबंधों में दरार आई है। गंडक नदी ने सारण जिले के बरौली प्रखंड के देवापुर गांव और गोपालगंज जिले के मझा प्रखंड के पुरैना गांव में तटबंध तोड़ा है।

Bihar flood alert: Rising barrage water levels likely to affect over 16 lakh people across 13 districts; government issues alert in northern and central regions
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़ अलर्ट: बैराज के बढ़ते जलस्तर से 13 जिलों में 16 लाख से अधिक लोग प्रभावित हो सकते हैं; सरकार ने उत्तरी और मध्य क्षेत्रों में अलर्ट जारी किया।
बिहार सरकार ने उत्तरी और मध्य क्षेत्रों में बाढ़ अलर्ट जारी किया है। कोसी, गंडक और गंगा जैसी नदियों के बढ़ते जलस्तर से 13 जिलों में 16.28 लाख से अधिक लोग प्रभावित हो सकते हैं।

Bihar rain: Major rivers receding; death toll rises to 97; Punpun and Ganga rivers continue to recede
हिन्दी अनुवाद: बिहार में बारिश: प्रमुख नदियां उतर रही हैं; मौत का आंकड़ा 97 हुआ; पुनपुन और गंगा नदियां उतर रही हैं।
बिहार में पुनपुन और गंगा नदियों का जलस्तर उतर रहा है, लेकिन मौत का आंकड़ा 97 हो गया है। बुढ़ी गंडक, कमला बलान, बागमती और महानंदा जैसी अन्य नदियां भी उतर रही हैं।

SPORTS NEWS

India clinch ODI series 3–1 with 22-run win over New Zealand; 5th ODI at Bay Oval, Mount Maunganui
हिन्दी अनुवाद: भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 22 रन की जीत के साथ ODI श्रृंखला 3–1 से जीती; बे ओवल, माउंट माउंगानुई में पाँचवां ODI। भारत ने बे ओवल, माउंट माउंगानुई में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पाँचवें और अंतिम ODI में 22 रन की जीत दर्ज की। भारत ने 209 रन का मामूली लक्ष्य बचाया और श्रृंखला 3–1 से जीती।

Arshdeep Singh leads India's bowlers to scything win over Kiwis in low-scoring ODI; 3/30 spell
हिन्दी अनुवाद: अर्शदीप सिंह ने कम स्कोर वाले ODI में कीवीज़ के खिलाफ भारत के गेंदबाजों को शानदार जीत दिलाई; 3/30 का स्पेल। अर्शदीप सिंह ने 3/30 का स्पेल डाला और भारत ने 209 रन बनाकर न्यूज़ीलैंड को 187 रन पर ऑल आउट किया। भारत ने 22 रन से जीत दर्ज की।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

CURRENT AFFAIRS OF THE DAY (करेंट अफेयर्स ऑफ द डे)

"PM MODI MEETS SINGAPORE PM LAWRENCE WONG AT ASEAN SUMMIT IN MANILA; DISCUSSES ECONOMIC COOPERATION, SKILLS, DIGITALISATION, SUSTAINABILITY, CONNECTIVITY, HEALTHCARE, DEFENCE AND SECURITY"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनीला में 23वें भारत-ASEAN शिखर सम्मेलन और 21वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन के दौरान सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के रोडमैप की प्रगति की समीक्षा की और आठ प्राथमिकता क्षेत्रों पर चर्चा की।

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

प्रकृति की पाठशाला

राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस – 18 नवंबर

गाँव के विद्यालय में एक दिन बच्चों ने देखा कि विद्यालय के पीछे लगे पौधे मुरझा रहे हैं। गर्मी और पानी की कमी से उनकी पत्तियाँ झुक गई थीं। बच्चे रोज उन्हें देखते, लेकिन किसी ने उनकी सुध नहीं ली थी।

एक दिन विज्ञान के शिक्षक बच्चों को लेकर वहाँ पहुँचे। उन्होंने पूछा, “बताओ, इन पौधों को फिर से हरा-भरा बनाने के लिए क्या करना चाहिए?”

किसी ने खाद डालने की बात कही, तो किसी ने अधिक पानी देने की। तभी मोहन बोला, “सर, इन्हें धूप से बचाने के लिए छाया कर देनी चाहिए।”

शिक्षक मुस्कुराए। उन्होंने समझाया, “पौधों की तरह हमारे शरीर को भी स्वस्थ रहने के लिए प्रकृति का संतुलित साथ चाहिए। स्वच्छ हवा, शुद्ध पानी, पौष्टिक भोजन, उचित धूप, व्यायाम और पर्याप्त नींद हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी हैं।”

फिर उन्होंने बताया कि 18 नवंबर को भारत में राष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा दिवस मनाया जाता है। इसका उद्देश्य प्राकृतिक चिकित्सा और प्रकृति के अनुकूल स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। प्राकृतिक चिकित्सा में जल, मिट्टी, सूर्यप्रकाश और स्वच्छ वायु जैसे प्राकृतिक साधनों के महत्व पर जोर दिया जाता है।

बच्चों ने उसी दिन एक छोटा-सा स्वास्थ्य अभियान शुरू किया। किसी ने पौधों की देखभाल की, किसी ने स्वच्छ पानी पीने का संकल्प लिया, तो किसी ने रोज सुबह व्यायाम करने का।

मोहन ने कहा, “सर, अब समझ आया कि प्रकृति की रक्षा और अपने स्वास्थ्य की देखभाल एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं।”

शिक्षक ने कहा, “बिल्कुल! अच्छी आदतें हमें स्वस्थ रखती हैं, लेकिन बीमारी होने पर योग्य चिकित्सक की सलाह लेना भी जरूरी है।”

प्रेरक सीख: स्वस्थ जीवन का आधार प्रकृति का सम्मान, संतुलित दिनचर्या और अच्छी आदतें हैं।



.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-35

सोचो... समझो... हल करो...

	2	7	5			6		
6	8						9	3
		8			5			
					1	7	2	
			9					1
		1				3		4
				6	4	8	1	7
			8					

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"खुद वह बदलाव बनिए जो आप दुनिया में देखना चाहते हैं।"

— महात्मा गांधी

याद रखे

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

1	2	7	5	9	3	6	4	8
6	8	4	1	7	2	5	9	3
5	3	9	6	4	8	1	7	2
4	1	5	7	2	6	9	3	8
9	6	3	4	8	1	7	2	5
7	5	2	9	3	5	4	8	1
8	7	1	2	5	9	3	6	4
2	9	6	3	6	4	5	1	7
3	4	5	5	1	7	2	5	9

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।



श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 10, श्लोक 41
यद्यद्विभूतिमत्सत्त्वं श्रीमदूर्जितमेव वा।
तत्तदेवावगच्छ त्वं मम तेजोंऽशसम्भवम्॥

सरल हिन्दी अर्थ:
जो-जो भी वस्तु, प्राणी या व्यवस्था ऐश्वर्ययुक्त (विभूतिमान्), कांतियुक्त/सौंदर्ययुक्त (श्रीमद्) अथवा शक्ति व सामर्थ्य से परिपूर्ण (ऊर्जित) है, उस-उस को तुम मेरे ही तेज के एक अंश से उत्पन्न जानो।
आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ
श्रीकृष्ण यहाँ संपूर्ण 10वें अध्याय (विभूतियोग) का अंतिम सार-सूत्र प्रस्तुत करते हैं। अर्जुन को अलग-अलग विभूतियाँ गिनाने के बाद वे एक व्यापक दृष्टि देते हैं, ताकि संसार में कहीं भी उत्कृष्टता दिखे, तो व्यक्ति का दृष्टिकोण संकीर्ण न रहे:

- उत्कृष्टता का स्रोत (The Source of Excellence): संसार में जहाँ भी कोई असाधारण प्रतिभा, गहरी बुद्धि, अटूट संकल्प, अद्वितीय सौंदर्य या नैतिक शक्ति दिखे—चाहे वह किसी भी व्यक्ति, क्षेत्र या देश में हो—वह किसी एक व्यक्ति का व्यक्तिगत घमंड नहीं है। वह उस परम वैश्विक ऊर्जा (तेज) की ही अभिव्यक्ति है।
- ईर्ष्या से मुक्ति और प्रेरणा का उदय: जब हम किसी को बहुत सफल, प्रतिभाशाली या प्रभावशाली देखते हैं, तो सामान्य मन में ईर्ष्या या हीनभावना आती है। किंतु यह श्लोक सिखाता है कि उस प्रतिभा में परमात्मा की ऊर्जा का ही एक अंश प्रकट हो रहा है। यह समझ आते ही ईर्ष्या समाप्त हो जाती है और मन में स्वतः आदर व प्रेरणा का भाव जागता है।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं।ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की।जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, लत्वी का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।


प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

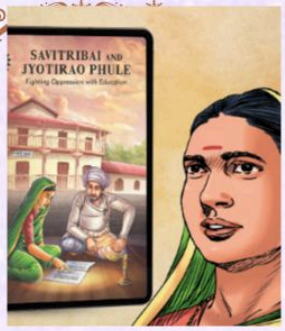
शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

भारत की प्रथम महिला शिक्षिका: क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले

प्यारे बच्चों, आज हम जब अपनी बहनों और बेटियों को खुशी-खुशी बस्ता कंधे पर लटकाकर स्कूल जाते देखते हैं, तो हमारा दिल गर्व से भर जाता है। लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि लगभग पौने दो सौ साल पहले जब बेटियों का पढ़ना महापाप माना जाता था, तब वह कौन सी वीर नारी थी जिसने समाज के तमाम तानों, पत्थरों और कीचड़ के वार सहकर भी भारत की नन्ही बच्चियों के लिए स्कूल के दरवाज़े खोले? वे थीं भारत की प्रथम महिला शिक्षिका, पहली मुख्य अध्यापिका और महान समाज सुधारक क्रांतिज्योति सावित्रीबाई फुले!

सावित्रीबाई फुले का जन्म 3 जनवरी 1831 को महाराष्ट्र के सातारा ज़िले के 'नायगांव' के एक साधारण किसान परिवार में हुआ था। उनके पिता श्री खन्दोजी नेवसे गाँव के प्रतिष्ठित पाटिल (मुखिया) थे और माता श्रीमती लक्ष्मीबाई अत्यंत स्नेहमयी, धर्मपरायण और सादगीपसंद महिला थीं। उस ज़माने की कुरीति के अनुसार मात्र नौ वर्ष की अबोध आयु में उनका विवाह तेरह वर्षीय ज्योतिराव फुले के साथ कर दिया गया।

विवाह के समय नन्ही सावित्री बिल्कुल अनपढ़ थीं, क्योंकि तब बेटियों को अक्षर ज्ञान देने की सख्त मनाही थी। लेकिन सावित्री के मन में सीखने की गजब की लगन थी। एक दिन जब वे एक अंग्रेज़ी किताब के पन्ने पलट रही थीं, तो ज्योतिराव जी ने उनका उत्साह देखा। उन्होंने सावित्रीबाई को घर पर ही मराठी और अंग्रेज़ी पढ़ाना शुरू किया। सावित्रीबाई ने इतनी तेज़ी और निष्ठा से पढ़ाई की कि वे न केवल विदुषी बनीं, बल्कि उन्होंने अध्यापिका बनने का औपचारिक प्रशिक्षण भी प्राप्त किया।

1 जनवरी 1848 को जब महात्मा ज्योतिराव फुले और सावित्रीबाई ने पुणे के भिड़े वाड़ा में बालिकाओं के लिए भारत का पहला निजी स्कूल खोला, तो सावित्रीबाई उसकी प्रधानाध्यापिका बनीं। रूढ़िवादी समाज को यह बात बर्दाश्त नहीं हुई। जब सावित्रीबाई सुबह घर से स्कूल पढ़ाने निकलतीं, तो लोग उन पर फब्तियां कसते, गोबर, सड़े अंडे, कीचड़ और पत्थर फेंकते थे। उनका सफेद वस्त्र गंदा हो जाता था, लेकिन सावित्रीबाई विचलित नहीं हुईं। वे अपने झोले में एक अतिरिक्त साड़ी रखकर ले जाती थीं और स्कूल पहुँचकर गंदी साड़ी बदलकर बच्चियों को बड़े स्नेह से पढ़ाती थीं। वे मुस्कुराकर कहती थीं—"तुम मुझ पर पत्थर नहीं फेंक रहे, ये तो फूल हैं जो मुझे अपने कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने की शक्ति देते हैं।"

सावित्रीबाई ने अपनी सहयोगी फातिमा शेख के साथ मिलकर पुणे में लड़कियों और वंचित समाज के बच्चों के लिए 18 स्कूल खोले। वे केवल एक महान शिक्षिका ही नहीं, बल्कि एक ओजस्वी कवयित्री भी थीं। उन्होंने 'काव्य फुले' और 'बावनकशी सुबोध रत्नाकर' नाम से सुंदर कविता संग्रह लिखे, जिसमें उन्होंने बच्चों को ज्ञान अर्जित करने और अंधविश्वास मिटाने की प्रेरणा दी। उन्होंने अनाथ बच्चों और बेसहारा महिलाओं के लिए 'बाल हत्या प्रतिबंधक गृह' खोला और एक अनाथ बच्चे 'यशवंत' को गोद लेकर उसका डॉक्टर बनने तक पालन-पोषण किया।

वर्ष 1897 में जब पुणे में भयंकर 'प्लेग' की महामारी फैली, तो 66 वर्ष की उम्र में भी सावित्रीबाई ने अपनी जान की परवाह किए बिना बीमारों की सेवा के लिए अस्पताल खोला। एक दिन वे प्लेग से पीड़ित एक नन्हे अछूत बच्चे को अपनी पीठ पर लादकर इलाज के लिए अस्पताल ले आईं। इस सेवा के दौरान वे स्वयं प्लेग की चपेट में आ गईं और 10 मार्च 1897 को उन्होंने अंतिम साँस ली। प्यारे बच्चों, सावित्रीबाई फुले का पावन जीवन हमें सिखाता है कि डर और मुश्किलों के आगे कभी मत झुको, दूसरों के भले के लिए हमेशा डटे रहो और शिक्षा की शक्ति से समाज में उजाला फैलाओ।



.....✍️
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2



Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।



संपादक:-
शैलेन्द्र कुमार
'प्रधान शिक्षक'
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।
(10010803702)
📱 -9939671700

आज का विचार:

संसार में जहाँ भी आपको सत्य, सौन्दर्य, सामर्थ्य और उत्कृष्टता के दर्शन हों, उसे नमन कीजिए और उससे सीखिए। प्रतिभा पर अहंकार मत कीजिए, क्योंकि हर श्रेष्ठता उस अनंत शक्ति का ही एक अंश है जो आपके माध्यम से संसार को प्रकाशित कर रही है।

+917250818080
teachersofbihar@gmail.com
+917250818080
www.teachersofbihar.org